वन उत्पादकता संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन - 2014

संघ सरकार की राजभाषा निति के संबंध में संवैधानिक उद्देश्यों की पूर्ति को प्रमुखता देते हुए राजभाषा हिन्दी के समग्र प्रचार - प्रसार हेतु प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्थान में दिनांक 01 सितम्बर से 15 सितम्बर, 2014 तक हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। हिन्दी पखवाड़ा के दौरान संस्थान में प्रशासनिक एवं अनुसंधान संबंधित सभी कार्यकलाप हिन्दी में किए गए एवं इस प्रयास में संस्थान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता रही। इस दौरान राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों एवं कार्यालय के

अन्य अधिकारियों तथा कर्मचारियों की एक औपचारिक बैठक दिनांक 15 सितम्बर, 2014 को करायी गयी। बैठक की अध्यक्षता डॉ शमीम अख़्तर अंसारी, निदेशक और अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, वन उत्पादकता संस्थान, राँची द्वारा की गई। बैठक में संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिकों सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी तथा शोधार्थीगण उपस्थित थे । श्री पंकज सिंह, अनुसंधान अधिकारी एवं हिन्दी अधिकारी, व.उ.सं., राँची ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि हिन्दी एक व्यवहारिक भाषा है और हमारा कर्तव्य है कि हम इसकी व्यवहारिकता को धारा प्रवाह बनाए रखें। इन्होंने हिंदी के प्रचार - प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की गई बैठक में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की हिन्दी में रूचि तथा संबंधित कार्यक्रमों में भागीदारी की प्रशंसा की।

इसी क्रम में दिनांक 15 सितम्बर, 2014 को डॉ शमीम अख़्तर अंसारी, निदेशक, वन उत्पादकता संस्थान, राँची के करकमलों से संस्थान की प्रथम हिन्दी वानिकी ई-शोध पत्रिका **"शोधतरु"** के प्रथम अंक का ऑनलाइन विमोचन किया। डॉ. संजय सिंह, वैज्ञानिक - 'ई' और संपादक, **"शोधतरु"** ने इस पत्रिका के संबंध में विस्तृत जानकारी दी और कहा कि यह ई-शोध पत्रिका हिन्दी में वानिकी में हो रहे शोध को आम जन तक पहुंचाने का

एक नवीन प्रयास है। हिन्दी जन साधारण की भाषा है और हम सभी को अपने - अपने स्तर पर इसके प्रचार - प्रसार के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। पत्रिका के विमोचन के पश्चात श्री पंकज सिंह, अनुसंधान अधिकारी और हिन्दी अधिकारी, हिन्दी अनुभाग, व.उ.सं., राँची ने उपस्थित सभासदों को हिंदी से संबंधित अपने विचार तथा सुझाव प्रस्तुत करने का आग्रह किया। इसी क्रम में डॉ. ए. के. पाण्डेय, वैज्ञानिक - 'एफ', व.उ.सं., राँची ने भी हिन्दी के समग्र प्रचार - प्रसार पर बल देते हुए उपस्थित सदस्यों के समक्ष हिन्दी में अपने अनुभव को साझा किया। संस्थान में अनुसंधान संबंधी विषय बहुधा जन - साधारण से जुड़े होते हैं और कृषि एवं वन से संबंधित वैज्ञानिक तकनीकों को विकसित कर जन - साधारण तक पहुँचाना संस्थान के उद्देश्यों में से एक है । अत: यदि जन - साधारण के साथ हिन्दी में संपर्क स्थापित किया जाए तो वह कहीं ज्यादा प्रभावी सिद्ध होगा। इस मौके पर श्री आशुतोष कुमार पाण्डेय, सहायक, व.उ.सं., राँची ने संस्थान में हिन्दी की वर्तमान स्थिति एवं हिन्दी में हो रही गतिविधियों एवं कार्यकलाप का वार्षिक ब्योरा सभा के समक्ष रखा. श्री एस. के. बक्शी, अनुभाग अधिकारी, श्री रविशंकर प्रसाद, अनुसंधान अधिकारी-II, श्री एस. मुखर्जी ने भी अपने विचार रखे।

हिन्दी पखवाड़ा के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें दिनांक 09 सितम्बर, 2014 को संस्थान के सभा कक्ष में **"वानिकी शोध एवं विस्तार में हिन्दी की उपयोगिता"** विषय पर हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसी क्रम में दिनांक 12 सितम्बर 2014 को संस्थान के सभा कक्ष में **"वानिकी पर आधारित कोलाज प्रतियोगिता"** एवं **"क्विज प्रतियोगिता"** का आयोजन किया गया। सभी प्रतियोगिताओं में अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों ने बढ़ - चढ़ कर भाग लिया।

श्रेष्ठ तीन निबंधों (निर्णायक मण्डल - डॉ. संजय सिंह, वैज्ञानिक -ई), कोलाज (निर्णायक मण्डल - डॉ. शरद तिवारी, वैज्ञानिक -ई, डॉ. अनिमेष सिन्हा, वैज्ञानिक - ई और डॉ. मलबिका रे, वैज्ञानिक -डी) और क्विज प्रतियोगियों (निर्णायक मण्डल - श्रीमती रूबी एस. कुजूर, वैज्ञानिक -सी और श्री पंकज सिंह, अनुसंधान अधिकारी-I) का चयन करके क्रमश:

प्रथम, दितीय एवं तृतीय पुरस्कार एवं प्रशस्ति - पत्र दिनांक 15 सितम्बर, 2014 को आयोजित हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह में निदेशक, व.उ.सं. राँची द्वारा प्रदान किया गया। साथ ही महानिदेशक, भारतीय वानिकी एवं शिक्षा परिषद द्वारा हिन्दी भाषा में कार्य करने वालों को प्रोत्साहित करने हेतु उनके द्वारा हिन्दी में किये गए वर्षवार कार्यों के आधार पर उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र दिए जाने के निर्णयानुसार संस्थान के श्री सचिदानंद वैध, अनुसंधान सहायक-प्रथम, डॉ. अरविंद कुमार, वैज्ञानिक - सी एवं श्री आशुतोष कुमार पाण्डेय, सहायक का चयन कर पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

समारोह में उपस्थित वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ शमीम अख़्तर अंसारी, निदेशक, व.उ.सं. राँची ने अपने संबोधन में संस्थान में हिन्दी में हो रही गतिविधियों एवं कार्यकलापों की सराहना की और कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिन्दी के प्रचार - प्रसार में उनकी सक्रिय भागीदारी एवं योगदान के लिए बधाई दी। उन्होने शोध और उससे जुड़े विचारों को हिन्दी भाषा में भी प्रस्तुत करने पर बल दिया। उन्होने तकनीकी भाषा को सरल करने पर ज़ोर देने की जरूरत बताई जिससे भविष्य में मौलिक और उच्चगुणवत्ता के विनिकी शोध प्राप्त हो। वानिकी शोध ई-पत्रिका **"शोधतरु"** के प्रथम अंक को विमोचित करते हुए कहा कि यह पत्रिका हिन्दी में वानिकी शोध में अहम भूमिका निभायगी साथ ही साथ इस पत्रिका की गुणवत्ता और मौलिकता को बनाए रखने पर भी जोर दिया। इन्होंने संतोष प्रकट करते हुए कहा कि विगत वर्षों में कार्यालय स्तर पर हिन्दी के प्रयोग में निरंतर वृद्धि हुई है। साथ ही हिन्दी में अपनी कार्यक्षमता को और अधिक बढ़ाने के लिए सभी को आह्वान किया।

इस समारोह में श्री आदित्य कुमार, वैज्ञानिक-सी, श्री दीपक दास, अनुसंधान अधिकारी-I, श्री एस. एन. मिश्रा, अनुसंधान सहायक-I, श्री बसंत कुमार, तकनीकी सहायक, श्री राम कुमार महतो, तकनीकी सहायक और कार्यकारी सचिव, हिन्दी अनुभाग भी उपस्थित रहे। अंत में डॉ. अनिमेष सिन्हा, वैज्ञानिक -ई, ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए हिन्दी के प्रति लगनशीलता बनाये रखने पर जोर दिया। हिन्दी पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं और समारोह का संचालन श्री पंकज सिंह, अनुसंधान अधिकारी एवं हिन्दी अधिकारी, हिन्दी अनुभाग, व.उ.सं., राँची द्वारा किया गया।

निबंध प्रतियोगिता "वानिकी शोध एवं विस्तार में हिन्दी की उपयोगिता" में भाग लेते प्रतिभागी

वानिकी पर आधारित कोलाज प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी और उनके द्वारा बनाए गए कोलाज

क्विज प्रतियोगिता में हिन्दी में जवाब देते प्रतिभागी गण